UP Board Notes Class 6 Sanskrit Chapter 13 काकः

शब्दार्थाः –

काकः = कौआ,
तृषापीडितः = प्यास से व्याकुल,
न अलभत् = नहीं पाया,
वृक्षात् = वृक्ष से (पेड़ से),
वराकः = बेचारा,
सहसा = अचानक (एकाएक),
खण्डम् = टुकड़ा,
पाषाणानाम् = पत्थरों के,
क्षिप्तवान् = डाला,
दृष्टवान् = देखा,
का = कौन (स्त्री),
कः = कौन (पुरुष),

एकः काकः.....नगरे।।1।।
हिन्दी अनुवाद – प्यास से पीड़ित एक कौए को दूर-दूर तक जेल नहीं मिला। वह बेचारा एक पेड़ से दूसरे पर, ग्राम-ग्राम और नगर-नगर भटकता रहा।

एकः सहसा.....जलमध्ये।।2।।
हिन्दी अनुवाद– उसने अचानक एक घड़ा देखा। घड़े में जल बहुत नीचे देखा। कौए ने जल में पत्थरों के टुकड़े डाले।

घटकण्ठं सम्प्रातं.....का कः? ।।3।।
हिन्दी अनुवाद – घड़े के मुँह तक आए जल को पीकर निश्चित ही कौआ सन्तुष्ट हुआ। बुद्धिपूर्वक यत्न करने से बताओ कौन स्त्री या पुरुष सफलता प्राप्त नहीं करता, अर्थात् सभी सफलता प्राप्त करते हैं।

https://www.evidyarthi.in/